RIDGEGOURD- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Ridge Gourd seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Ridge Gourd seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Ridge Gourd seeds provide excellent germination & better vigour with tolerance to biotic & abiotic stresses.
Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Ridge Gourd Hybrid	**Shiva, Kirti, RG-01**	**Chitrangi**	**Mastani, Monika**	**Ankita, Sunita**
Duration	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS
Kharif	yes	yes	yes	yes
Rabi	yes	yes	yes	yes
Spring	yes	yes	yes	yes
Source of Irrigation	Ground	Ground	Ground	Ground

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability of the area/ Agro-climatic zone	It's a warm season crop and grows well in temperature range of 25-35 C. Its sensitive to Low temperature,
2	Land / Soil	Sandy soils are best suited, 6.5-7.5 pH is ideal
3	Season. Sowing/planting time	Feb-March, June-July and Nov-Dec
4	Seed rate. Sowing/planting method.	Transplanting 600-800g seeds. For direct sowing 1.2-1.5 kg/Acre for hybrids
5	Preparation of Main field and planting	Apply 10 tonnes of decomposed FYM followed by harrowing to mix in the soil. * Form sowing canals * Apply basal dose of fertilizers in sowing canals and cover the fertilizer * Irrigate the field two day prior to sowing. * Dibble two seed per hill, immediately give light irrigation for quick and better Germination
6	Spacing	Row to row 2m, between plants 45-60 cm
7	Seed treatment before sowing	Seed may be treated with Imidacloprid2 ml/kg and Bavistin 0.2%
8	Manures and Fertilizers	* Basal dose & crop establishment stage : 30:30:30 Kg NPK * First top dressing 20- 30 days after sowing: 15kg N (Branching stage) * Second top dressing after first pick 45-60 DAS : 15 kg N Total 60:30:30 Kg NPK/acre
9	Irrigation schedule	Irrigate field depending on soil type. Light and frequent irrigation once in 6-7 days interval in summer Ensure sufficient moisture at root zone especially during flowering fruit stage. Total of 9 irrigations are required
10	Weeding/ inter-cultivation	Two hand weeding is required. Keep plots free of weed. Earthing up at 30 and 60 days after sowing.
11	Micronutrient/growth regulator sprays	Spray multiplex 1g/Litre during fruiting stage Micronutrient 1g/Litre during flowering period
12	Pest and Disease control	Powdery Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per liter) Downy mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) Leaf miner: Abamectin 1.8% EC (0.5 to 1 ml/litre), Red pumpkin beetle: Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/litre) Thrips /Aphids : Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) Fusarium Wilt: Drench with Carbendazim (1gm/litre) Fruit fly: Use pheromone traps. Delta mithrin 1ml/litre
13	Harvest	Fruits are ready for 1st harvest 45-50 days after sowing. Picking should be done every 3-4 days.
14	Expected yield per acre	Yields 5-6 t/Acre in a well managed crop under ideal conditions.
17	Storage	
18	Don't Do	don't use Sulphur based chemicals.
19	Do's	
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	

तुरई की खेती के तरीके

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार की तोरई की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दर्जे के तुरई के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के तुरई के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग और पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता होती है। बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड तुरई	हाइब्रिड. शिव, कीर्ति	चित्रांगी	हाइब्रिड. मस्तानी, मोनिका	अंकिता, हाइब्रिड. Shiva_, हाइब्रिड. सुनीता								
अवधि	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS								
खरीफ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ								
रबी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ								
वसंत	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ								
सिंचाई का स्रोत	जमीन	जमीन	जमीन	जमीन								

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्व होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	गर्म मौसम में उगने वाली यह फसल 25–35 °C में अच्छी तरह बढ़ती है, और ठंड के प्रति संवेदनशील होती है।
2	भूमि / मिट्टी	इसके लिए बलुई मिट्टी सबसे बेहतर है, और आदर्श pH स्तर 6.5-7.5 है
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय	फरवरी–मार्च, जून–जुलाई और नवंबर–दिसंबर
4	बीज दर। बुवाई/रोपाई का तरीका।	पौधा रोपण में 600–800 ग्राम बीज का उपयोग करें। प्रत्यक्ष बुवाई हेतु हाइब्रिड किस्मों में
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	गोबर की 10 टन सड़ी हुई खाद डालें और जुताई करें, ताकि यह मिट्टी में मिल जाए। * बीज बोने के लिए नाली बनाएँ * बुवाई वाली नालियों में आधार खुराक के रूप में उर्वरक डालें और ढक दें * बुआई से दो दिन पहले खेत की सिंचाई करें। * हर मेड़ पर दो बीज बोएँ और तुरंत थोड़ा पानी से सिंचाई करें, जिससे बीज तेज़ी से अंकुरित हों
6	पौधों के बीच दूरी	पंक्तियों के बीच 2 मी और पौधों के बीच 45–60 सेमी की दूरी रखें
7	बुआई से पहले बीज उपचार	बीज का उपचार: इमिडाक्लोप्रिड 2 मिली/किग्रा और बाविस्टिन 0.2%
8	जैविक और रासायनिक उर्वरक	* फसल की शुरुआती अवस्था में बेसल मात्रा: 30:30:30 किग्रा NPK * बीज बोने के 20–30 दिन बाद पहली टॉप ड्रेसिंग: 15 किग्रा N (ब्रांचिंग स्टेज) पहली फसल लेने के 45–60 दिन बाद दूसरी टॉप ड्रेसिंग: 15 किग्रा N। कुल मात्रा 60:30:30 किग्रा NPK/एकड़
9	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी की स्थिति के हिसाब से सिंचाई करें। गर्मी के मौसम में 6–7 दिन के अंतराल पर हल्की और नियमित सिंचाई करें और फूल खिलने और फल लगने के समय जड़ों में पर्याप्त नमी बनाएँ रखें। फसल के लिए कुल 9 बार पानी देने की आवश्यकता होती है
10	निराई/ खेत की बीच-बीच में जुताई	दो बार हाथ से खरपतवार निकालना जरूरी है। खेत में किसी भी तरह का खरपतवार न होने दें। 30 और 60 दिन के बाद पौधों के आसपास मिट्टी भरें।
11	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	फल बनने के समय मल्टीप्लेक्स 1 ग्राम/लीटर और फूल आने के दौरान सूक्ष्म पोषक तत्व 1 ग्राम/लीटर का छिड़काव करें
12	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	पाउडरी मिल्ड्यू : टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5–1 ग्राम/लीटर) डाउनि मिल्ड्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (प्रति लीटर 0.5–1 ग्राम) पत्ती खाने वाले कीट: एबामेक्टिन 1.8% EC (0.5–1 मिली/लीटर) रेड पंपकिन बीटल: डेल्टामैथ्रिन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) थ्रिप्स और एफिड: फ्लोनिकामिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) फ़्यूज़ेरियम विल्ट: कार्बेन्डाज़िम (1 ग्राम/लीटर) से मिट्टी का उपचार करें फ्रूट फ़्लाई: फेरोमोन ट्रैप का प्रयोग करें। 1 मिली/लीटर दर से डेल्टामैथ्रिन का छिड़काव करें खेत में रोग और कीट नियंत्रण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से सलाह लें।
13	फसल काटना	बुवाई के 45–50 दिन बाद फसल पहली कटाई के लिए तैयार होता है। 3–4 दिन के अंतराल पर फल तोड़ना चाहिए।
14	प्रति एकड़ अपेक्षित उपज	आदर्श प्रबंधन और अच्छी तरह देखभाल किए गए खेत में फसल से औसतन 5–6 टन/एकड़ उपज प्राप्त होती है।
17	भंडारण	
18	क्या न करें	सल्फर युक्त केमिकल का इस्तेमाल न करें।
19	क्या करें	
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	

ગલકું -ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદન! તમે ક્રિસ્ટલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ રિજ ગોર્ડ બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ક્રિસ્ટલ પાસે ઉચ્ચ-ગુણવત્તાવાળા રિજ ગોર્ડ બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો મજબૂત અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ક્રિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. ક્રિસ્ટલ ગલકાના બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે, સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે.
ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

ગલકા હાઇબ્રિડ	હાઇબ્રિડ. શિવ, કીર્તિ	ચિત્રાંગી	હાઇબ્રિડ. મસ્તાની, મોનિકા	અંકિતા, હાઇબ્રિડ. શિવ, હાઇબ્રિડ. સુનીતા								
સમયગાળો	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS								
ખરીફ	હા	હા	હા	હા								
રાબી	હા	હા	હા	હા								
વસંત	હા	હા	હા	હા								
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	જમીન	જમીન	જમીન	જમીન								

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

કમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર/કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	તે ગરમ ઋતુનો પાક છે અને 25-35 સે. તાપમાનમાં સારી રીતે ઉગે છે. તે નીચા તાપમાન પ્રત્યે સંવેદનશીલ છે,
2	જમીન / માટી	રેતાળ જમીન સૌથી યોગ્ય છે, 6.5-7.5 pH આદર્શ છે.
3	ઋતુ. વાવણી/વાવેતરનો સમય	ફેબ્રુઆરી-માર્ચ, જૂન-જુલાઈ અને નવેમ્બર-ડિસેમ્બર
4	બીજ દર. વાવણી/વાવેતર પદ્ધતિ.	600-800 ગ્રામ બીજનું રોપણી. સીધી વાવણી માટે 1.2-1.5 કિગ્રા/એકર હાઇબ્રિડ માટે
5	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	10 ટન વિઘટિત છાણિયું ખાતર નાખો અને ત્યારબાદ જમીનમાં ભેળવીને કાપણી કરો. * વાવણી નહેરો બનાવો * વાવણી નહેરોમાં ખાતરનો મૂળ માત્રા આપો અને ખાતરને ઢાંકી દો. * વાવણીના બે દિવસ પહેલા ખેતરમાં પાણી આપો. * ઝડપી અને સારા અંકુરણ માટે દરેક ટેકરી પર બે બીજ ખોદીને તરત જ હળવું પાણી આપો.
6	અંતર	લાઈન થી લાઈન 2 મીટર, છોડ વચ્ચે 45-60 cm
7	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	બીજને ઇમિડાક્લોપ્રિડ 2 મિલી/કિલો અને બાવિસ્ટિન 0.2% થી માવજત કરી શકાય છે.
8	ખાતર અને ખાતરો	* મૂળ માત્રા અને પાક સ્થાપના તબક્કો: 30:30:30 Kg NPK * વાવણી પછી 20-30 દિવસ પછી પહેલું ટોપ ડ્રેસિંગ: 15 કિલો નાઇટ્રોજન (શાખાઓનો તબક્કો) * પ્રથમ ચૂંટણી પછી બીજું ટોપ ડ્રેસિંગ 45-60 DAS: 15 કિલો નાઇટ્રોજન કુલ 60:30:30 કિલો NPK/એકર
9	સિંચાઈ સમયપત્રક	જમીનના પ્રકાર પર આધાર રાખીને ખેતરમાં સિંચાઈ કરો. ઉનાળામાં 6-7 દિવસના અંતરાલ પર હળવું અને વારંવાર સિંચાઈ કરો. ખાસ કરીને ફૂલોના ફળના તબક્કા દરમિયાન મૂળ વિસ્તારમાં પૂરતો ભેજ સુનિશ્ચિત કરો. કુલ 9 સિંચાઈ જરૂરી છે
10	નીંદણ/આંતર-ખેતી	બે હાથે નીંદણ કાપવું જરૂરી છે. પ્લોટને નીંદણ મુક્ત રાખો. વાવણી પછી 30 અને 60 દિવસે માટી ખોદવી.
11	સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	ફળ આવવાના તબક્કા દરમિયાન મલ્ટિપ્લેક્સમાં 1 ગ્રામ/લિટર છંટકાવ કરો, ફૂલોના સમયગાળા દરમિયાન સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો 1 ગ્રામ/લિટર
12	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	પાવડરી ફૂગ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) તરછોડ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) પાન ખાણિયો: એબામેક્ટીન 1.8% EC (0.5 થી 1 મિલી/લિટર), લાલ કોળાની ભમરી: ડેલ્ટામેથ્રિન 5.56% SC સાથે (0.5 મિલી/લિટર) થ્રિપ્સ/મોલો મચ્છર: ફ્લોનીકામિડ 50% WG (0.5 ગ્રામ/લિટર) ફ્યુઝેરિયમ વિલ્ટ: કાર્બેન્ડાઝીમ (1 ગ્રામ/લિટર) સાથે ભીંજવો ફળમાખી: ફેરોમોન ફાંસોનો ઉપયોગ કરો. ડેલ્ટા મિથ્રિન 1 મિલી/લિટર ખેતરમાં રોગ નિયંત્રણ અને નિયંત્રણ માટે વધુ માહિતી માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીઓનો સંપર્ક કરો.
13	લણણી	વાવણીના 45-50 દિવસ પછી ફળો પહેલી લણણી માટે તૈયાર થાય છે. કાપણી દર 3-4 દિવસે કરવી જોઈએ.
14	પ્રતિ એકર અપેક્ષિત ઉપજ	આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં સારી રીતે સંચાલિત પાકમાં 5-6 ટન/એકર ઉપજ મળે છે.
17	સંગ્રહ	
18	ના કરો	સલ્ફર આધારિત રસાયણોનો ઉપયોગ કરશો નહીં.
19	શું કરવું	
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબળોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

दोडका/शिराळा - पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील दोडक्याच्या सर्वोत्तम बियाण्यांपैकी एक बियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे दोडक्याचे बियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे बियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे बियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच बियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या दोडक्याच्या बियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.
उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

दोडका हायब्रीड	**हाइब्रिड. शिव, कीर्ति**	**चित्रांगी**	**हाइब्रिड. मस्तानी, मोनिका**	**अंकिता, हाइब्रिड. शिवा_, हाइब्रिड. सुनीता**								
कालावधी	90-100 दिवसांनी	90-100 दिवसांनी	90-100 दिवसांनी	90-100 दिवसांनी								
खरीप	होय	होय	होय	होय								
रब्बी	होय	होय	होय	होय								
वसंत ऋतू	होय	होय	होय	होय								
सिंचनाचा स्रोत	जमीन	जमीन	जमीन	जमीन								

कृपया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	**तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती**	**कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन**
1	क्षेत्राची योग्यता/ कृषी-हवामान क्षेत्र	दोडका हे उष्ण हंगामातील पीक आहे आणि 25-35 सेल्सिअस तापमानात चांगले वाढते. ते कमी तापमानाला संवेदनशील असते.
2	जमीन/माती	वालुकामय जमीन सर्वात योग्य आहे, 6.5-7.5 सामू (pH) सर्वोत्तम आहे
3	हंगाम. पेरणी/लागवडीची वेळ	फेब्रुवारी-मार्च, जून-जुलै आणि नोव्हेंबर-डिसेंबर
4	बियाणांचा दर पेरणी/लागवडीची पद्धत	600-800 ग्रॅम बियाणे लावणे. थेट पेरणीसाठी 1.2-1.5 किलो/एकर संकरित जातींसाठी
5	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	जमिनीत १० टन कुजलेले शेणखत टाकून नीट मिसळावे. * पेरणीसाठी पाटे तयार करा. * पेरणीच्या कालव्यांमध्ये खतांचा मूलभूत डोस द्या आणि सर्वत्र खत नीट पसरू द्या. * पेरणीपूर्वी दोन दिवस शेताला पाणी द्या. * प्रत्येक सरीवर दोन बिया टोचाव्यात. लवकर आणि चांगले अंकुर फुटण्यासाठी लगेच थोडे पाणी द्या.
6	अंतर	प्रत्येक वाफ्यातील अंतर 2 मीटर, रोपांमध्ये 45-60 सेमी अंतर
7	पेरणीपूर्वी बियाणांवर प्रक्रिया	बियाण्यांवर इमिडाक्लोप्रिड 2 मिली/किलो आणि बाविस्टिन 0.2% प्रक्रिया करता येते.
8	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते	* मूळ डोस आणि पीक पेरणीचा टप्पा: 30:30:30 किलो एनपीके * पेरणीनंतर 20- 30 दिवसांनी पहिले टॉप ड्रेसिंग: 15 किलो नत्र (फांद्या फुटण्याची अवस्था) * पहिल्या वेचणीनंतर दुसरे टॉप ड्रेसिंग 45-60 दिवसांनी : 15 किलो नत्र एकूण 60:30:30 किलो एनपीके/एकर
9	पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रिया	मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. उन्हाळ्यात 6-7 दिवसांच्या अंतराने हलके आणि वारंवार पाणी द्या. फळधारणा होतअसताना, मुळांच्या भागात पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री करा. एकूण 9 वेळा सिंचन आवश्यक आहेत.
10	खुरपणी/आंतरमशागत	दोन हातांनी खुरपणी करणे आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा. पेरणीनंतर ३० आणि ६० दिवसांनी माती भरणे.
11	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	फळधारणेच्या काळात मल्टीप्लेक्समध्ये 1 ग्रॅम/लिटर फवारणी करा. फुलाची कळी येण्याच्या काळात सूक्ष्म पोषक घटक 1 ग्रॅम/लिटर फवारणी करा.
12	कीटक आणि रोग नियंत्रण	भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) तंतू-भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) पाने खाणारी आळी: अवामेक्टिन 1.8% EC (0.5 ते 1 मिली/लिटर), तांबडा भुंगेरा: डेल्टामेथ्रिन 5.56% SC भा/आ (0.5 मिली/लिटर) फुलकिडे/मावा: फ्लोनिकामिड 50% भा/आ (0.5 ग्रॅम/लिटर) मर रोग: कार्बेन्डाझिम (1 ग्रॅम/लिटर) सह ओंबवा फळमाशी: फेरोमोन सापळे वापरा डेल्टा मिथ्रिन 1 मिली/लिटर शेतातील नियंत्रणासाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी, कृपया तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.
13	कापणी	पेरणीनंतर 45-50 दिवसांनी फळे पहिल्या काढणीसाठी तयार होतात. दर 3-4 दिवसांनी फळांची काढणी करावी.
14	प्रति एकर अपेक्षित उत्पादन	आदर्श परिस्थितीत चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकामधून प्रति एकर 5-6 टन उत्पादन मिळते.
17	साठवणूक	
18	करू नका	सल्फरयुक्त रसायनांचा वापर करू नका.
19	करा	
नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.	
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. बियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल बाळगा.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS | SEED & PLANT SCIENCE

ಹೀರೆಕಾಯಿ - ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳ ಪ್ಯಾಕೇಜ್

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದಿಂದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಹೀರೆಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಹೀರೆಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ದೃಢವಾದ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ನ ಹೀರೆಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯೊಂದಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ.
ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಹೀರೆಕಾಯಿ	ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಶಿವ, ಕೀರ್ತಿ	ಚಿತ್ರಾಂಗಿ	ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಮಸ್ತಾನಿ, ಮೋನಿಕಾ	ಅಂಕಿತಾ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಶಿವ_, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಸುನೀತಾ								
ಅವಧಿ	90-100 ದಿನಗಳು	90-100 ದಿನಗಳು	90-100 ದಿನಗಳು	90-100 ದಿನಗಳು								
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು								
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು								
ವಸಂತ	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು								
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ನೆಲ	ನೆಲ	ನೆಲ	ನೆಲ								

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ಇದು ಬೆಚ್ಚಗಿನ ಋತುವಿನ ಬೆಳೆಯಾಗಿದ್ದು 25-35 C ತಾಪಮಾನ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯಲ್ಲಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ. ಇದು ಕಡಿಮೆ ತಾಪಮಾನಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿದೆ,
2	ಭೂಮಿ / ಮಣ್ಣು	ಮರಳು ಮಣ್ಣುಗಳು ಅತ್ಯಂತ ಸೂಕ್ತವಾಗಿವೆ, 6.5-7.5 pH ಆದರ್ಶವಾಗಿದೆ
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ಫೆಬ್ರವರಿ-ಮಾರ್ಚ್, ಜೂನ್-ಜುಲೈ ಮತ್ತು ನವೆಂಬರ್-ಡಿಸೆಂಬರ್
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.	ನಾಟಿ ಮಾಡುವುದು 600-800 ಗ್ರಾಂ ಬೀಜಗಳು. ನೇರ ಬಿತ್ತನೆಗಾಗಿ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಪ್ರಭೇದಗಳಿಗೆ 1.2-1.5 ಕೆ.ಜಿ/ಎಕರೆ
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	10 ಟನ್ FYM ಹಾಕಿ, ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡಲು ಹ್ಯಾರೋ ಬಳಸಿ. ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳನ್ನು ರೂಪಿಸಿ ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳಲ್ಲಿ ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಮುಚ್ಚಿ ಬಿತ್ತನೆಯ ಎರಡು ದಿನ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಪ್ರತಿ ಗುಂಡಿಗೆ ಎರಡು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಊರಿ, ಶೀಘ್ರ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಗಾಗಿ ತಕ್ಷಣ ಹಗುರವಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಿ
6	ಅಂತರ	ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ 2 ಮೀ, ಗಿಡಗಳ ನಡುವೆ 45-60 ಸೆಂ.ಮೀ
7	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಬೀಜವನ್ನು ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ 2 ಮಿ.ಲಿ/ಕೆ.ಜಿ ಮತ್ತು ಬಾವಿಸ್ಟಿನ್ 0.2% ನೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಬಹುದು
8	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಬೀಜ ಬಿತ್ತುವಾಗ ಮತ್ತು ಬೆಳೆ ಸ್ಥಾಪನೆಯ ಹಂತದಲ್ಲಿ : 30:30:30 ಕೆ.ಜಿ NPK ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿದ 20-30 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮೊದಲ ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರ: 15 ಕೆ.ಜಿ N (ಕೊಂಬೆಗಳು ಬಿಡುವ ಹಂತ) ಮೊದಲ ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರ (45-60 ದಿನಗಳ ನಂತರ) ಎರಡನೇ ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರ: 15 ಕೆ.ಜಿ N ಒಟ್ಟು ಪ್ರಮಾಣ: ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 60:30:30 ಕೆ.ಜಿ NPK
9	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಬೇಸಿಗೆಯಲ್ಲಿ 6-7 ದಿನಗಳ ಮಧ್ಯಂತರದಲ್ಲಿ ಹಗುರ ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ನೀರಾವರಿ ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಹೂಬಿಡುವ ಹಣ್ಣಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಬೇರು ವಲಯದಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿ. ಒಟ್ಟು 9 ನೀರಾವರಿಗಳು ಅಗತ್ಯವಿದೆ
10	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆ/ ಅಂತರ-ಬೇಸಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ. ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ಮತ್ತು 60 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಹಾಕುವುದು.
11	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಹಣ್ಣಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಮಲ್ಟಿಪ್ಲೆಕ್ಸ್ 1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್ ಸಿಂಪಡಿಸಿ, ಹೂಬಿಡುವ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶ 1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್
12	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಪುಡಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಎಲೆ ತಿನ್ನುವ ಕೀಟ: ಅಬಾಮೆಕ್ಟಿನ್ 1.8% EC (0.5 ರಿಂದ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್), ಕೆಂಪು ಕುಂಬಳಕಾಯಿ ಜೀರುಂಡೆ: ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 5.56% w/w SC (0.5 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್) ಥ್ರಿಪ್ಸ್/ಗಿಡಹೇನುಗಳು: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಫ್ಯೂಸೇರಿಯಮ್ ಬಾಡುವಿಕೆ: ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್ (1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ನೊಂದಿಗೆ ನೆನೆಸಿ ಹಣ್ಣಿನ ನೊಣ: ಫೆರೋಮೋನ್ ಬಲೆಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ. ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
13	ಕೊಯ್ಲು	ಬಿತ್ತನೆಯ ನಂತರ 45-50 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಹಣ್ಣುಗಳು ಮೊದಲ ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತವೆ. ಪ್ರತಿ 3-4 ದಿನಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಕೀಳುವಿಕೆ ಮಾಡಬೇಕು.
14	ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಉತ್ತಮ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಬೆಳೆಯಲ್ಲಿ 5-6 ಟನ್/ಎಕರೆ ಇಳುವರಿ ಸಿಗುತ್ತದೆ.
17	ಶೇಖರಣೆ	
18	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಸಲ್ಫರ್ ಆಧಾರಿತ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಬಳಸಬೇಡಿ.
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.	
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್‌ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	

బీరకాయలో-పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి

శుభాకాంక్షలు! క్రిష్ణల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన బీరకాయ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన బీరకాయ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిష్ణల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిష్ణల్ అత్యాధునిక సెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిష్ణల్ బీరకాయ విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.

అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ బీరకాయ	శివ, కీర్తి, RG-01	చిత్రాంగి	మస్తానీ, మోనికా	అంకిత, శివ, సునీతా								
కాలము పరిమితి	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS								
ఖరీఫ్	అవును	అవును	అవును	అవును								
రబీ	అవును	అవును	అవును	అవును								
వసంత కాలము	అవును	అవును	అవును	అవును								
నీటి పారుదల వనరు	గ్రౌండ్	గ్రౌండ్	గ్రౌండ్	గ్రౌండ్								

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	ఇది వెచ్చని సీజన్ పంట మరియు 25-35 C ఉష్ణోగ్రతలలో బాగా పెరుగుతుంది. ఇది తక్కువ ఉష్ణోగ్రతలకి సున్నితముగా వుంటుంది,
2	భూమి/మట్టి	దీనికి ఇసుక మట్టి నేలలు అనుకూలము, 6.5-7.5 pH సరిగ్గా సరిపోతుంది
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	ఫిబ్రవరి-మార్చి, జూన్-జులై మరియు నవంబర్-డిసెంబర్
4	విత్తనము రేట్. విత్తే/నాటే పద్ధతి.	600-800 గ్రాముల విత్తనాలను మళ్ళి నాటండి. హైబ్రిడ్లకు 1.2-1.5 కిలోలు/ఎకరానికి నేరుగా నాటడానికి
5	ప్రధానమైన పొలమును తయారు చేయడము మరియు నాటడము	డికంపోజ్ చేసిన ఎఫ్వైఎం 10 టన్నుల అప్లై చేయండి తరవాత దుక్కిదున్నడము ద్వారా అది మట్టిలో కలుస్తుంది. *నాటే కాలువలను ఏర్పాటు చేయండి *నాటే కాలువల్లో ఫర్టిలైజర్ల బేసల్ డోస్ అప్లై చేయండి మరియు ఫర్టిలైజరుని కవర్ చేయండి *విత్తడానికి రెండు రోజుల ముందు పొలముకి నీటిని పెట్టండి. *గుంటకి రెండు విత్తనాలు పెట్టండి, త్వరగా మరియు మెరుగుగా మొలకెత్తడము కోసం వెంటనే తేలికగా నీటిని పెట్టండి
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	రో నుంచి రో 2m, మొక్కల మధ్య 45-60 cm
7	విత్తే ముందు విత్తనమును శుద్ధి చేయడము	విత్తనాలను ఇమిడాక్లోప్రిడ్ 2 ml/కిలో మరియు బావిస్టిన్ 0.2% తో శుద్ధి చేయండి
8	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	*బేసల్ డోస్ & పంట నిలబడే దశ: 30:30:30 కిలో NPK *మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్ నాటిన 20-30 రోజుల తరవాత: 15 కిలోల N (కొమ్మలు వచ్చే దశ) *రెండవ టాప్ డ్రెస్సింగ్ మొదటి పిక్ అప్ తరవాత 45-60 డిఏఎస్ (DAS) కి: 15 కిలోల N మొత్తము 60:30:30 కిలోలు NPK/ఎకరానికి
9	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మట్టి రకమును బట్టి పొలముకి నీటిని పెట్టండి. వేసవిలో 6-7 రోజుల వ్యవధిలో తేలికగా మరియు తరచూ నీరు పెట్టండి మొక్కల వేళ్ళ జోన్ లో సరిపడిన తేమ వుండేలా చూసుకోండి ముఖ్యముగా పళ్ళు పూలు దశలో. మొత్తము మీద 9 సార్లు నీరు పెట్టండి
10	కలుపు మొక్కలు తీయడము/అంతర్గత-కల్టివేషన్	చేతితో కలుపు మొక్కలను రెండు దఫాలుగా తొలగించాలి. ప్లాట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుంచండి. విత్తిన 30 మరియు 60 రోజుల తరవాత మొక్కల మొదళ్ళలోని మట్టిని ఎత్తు చేయండి.
11	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	పళ్ళు వచ్చే దశలో మల్టీప్లెక్స్ లీటరు/1గ్రా పూలు వచ్చే దశలో సూక్ష్మపోషకము లీటరు/1గ్రా పిచికారీ చేయండి
12	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	బూడిద తెగులు: కెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సీస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) డౌనీ బూజు తెగులు: కెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సీస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) ఆకు తొలుచు పురుగు: అబామెక్టిన్ 1.8% EC (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 ml), ఎర్ర గుమ్మడి పెంకు పురుగు: డెల్టామెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (లీటరు/0.5 ml) తామర పురుగు/పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 ml) ప్యుజారియమ్ ఎండు తెగులు: కార్బెండాజిమ్ తో డ్రెంచ్ చేయండి (లీటరు/1 గ్రా) పండు ఈగ: ఫెరమోన్ ట్రాప్లను ఉపయోగించండి. డెల్టా మిథ్రిన్ లీటరు/1ml పొలములో తెగులు & చీడల కంట్రోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ ఆఫీసర్లను సంప్రదించండి.
13	కోత	నాటిన 45-50 రోజులకి 1st కోతకి పళ్ళు సిద్ధము అవుతాయి. ప్రతి 3-4 రోజులకి కాయలను కోయాలి.
14	ఎకరానికి ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితులలో బాగా మెనేజ్ చేసిన పంటకి 5-6 టన్నులు/ఎకరానికి దిగుబడి లభిస్తుంది.
17	స్టోర్ చేయడము	
18	చేయకూడనివి	సల్ఫర్ ఆధారిత రసాయనాలు ఉపయోగించకండి.
19	చేయవలసినవి	
గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.	
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.	

பீர்க்கங்காய் - பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள்! நீங்கள் கிரிஸ்டல் குடும்பத்திலிருந்து சிறந்த பீர்க்கங்காய் விதை வகைகளில் ஒன்றைத் தேர்ந்தெடுத்துள்ளீர்கள். கிரிஸ்டல் நிறுவனம் உயர்தர பீர்க்கங்காய் விதைகளை உற்பத்தி செய்வதில் சிறந்த அனுபவத்தைக் கொண்டுள்ளது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகசூல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் பீர்க்கங்காய் விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா சூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.

மிகச் சிறந்த மகசூலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பு பீர்க்கங்காய்	Hyb. சிவா, கீர்த்தி	சித்ராங்கி	Hyb. மஸ்தானி, மோனிகா	அங்கிதா, Hyb. ஷிவா, Hyb. சுனிதா								
காலம்	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS								
காரீப்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்								
ராபி	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்								
வசந்த காலம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்								
பாசன ஆதாரம்	நிலம்	நிலம்	நிலம்	நிலம்								

வானிலை சூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	இந்த வெப்பப் பருவப் பயிர் 25-35°C வெப்பநிலை வரம்பில் சிறப்பாக வளரும். மேலும், குளிரை தாங்கும் திறன் அற்றது.
2	நிலம் / மண்	மணற்பாங்கான மண் நன்றாக இருக்கும், 6.5-7.5 pH ஏற்றது.
3	பருவம். விதைத்தல்/நாற்று நடுவதற்கான நேரம்	பிப்ரவரி-மார்ச், ஜூன்-ஜூலை மற்றும் நவம்பர்-டிசம்பர்
4	விதை விகிதம். விதைத்தல்/நாற்று நடும் முறை.	நடவு செய்வதற்கு 600-800 கிராம் விதைகளைப் பயன்படுத்துங்கள். நேரடி விதைப்புக்கு, கலப்பின வகைகளில் ஏக்கருக்கு 1.2-1.5 கிலோ விதைகளைப் பயன்படுத்துங்கள்.
5	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYM) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். * விதைப்பு கால்வாய்களை உருவாக்குங்கள் * விதைப்பு கால்வாய்களில் உரங்களின் அடி அளவை போட்டு உரத்தை மூடி விடுங்கள் * விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்கள் முன் நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். * ஒரு மேட்டுக்கு இரண்டு விதையை ஊன்ற வேண்டும், விரைவான மற்றும் சிறந்த முளைத்தலுக்கு உடனடியாக லேசாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டும்.
6	இடைவெளி	வரிசை முதல் வரிசை வரை 2 மீ, தாவரங்களுக்கு இடையில் 45-60 செ.மீ வைத்திடுங்கள்.
7	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	விதைகள் இமிடாக்ளோபிரிட் கிலோவிற்கு 2 மிலி மற்றும் பாவிஸ்டின் 0.2% உடன் கலந்திடுங்கள்
8	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	* அடி உர அளவு & பயிர் நிறுவல் நிலை : 30:30:30 கிலோ என்பிகே (NPK) * முதல் மேல் உரமிடுதல் விதைத்த 20-30 நாட்கள் கழித்து: 15 கிலோ N (கிளை வைக்கும் நிலை) இரண்டாம் மேல் உரமிடல் முதல் உரமிடல் செய்த 45-60 DAS கழித்து : 15 கிலோ N ..... மொத்தம் ஏக்கருக்கு 60:30:30 கிலோ NPK
9	பாசன அட்டவணை	மண் வகையைப் பொறுத்து நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். கோடை காலத்தில், 6-7 நாட்கள் இடைவெளியில் லேசான மற்றும் வழக்கமான நீர்ப்பாசனம் செய்து, பூக்கும் மற்றும் பழம் உருவாகும் போது வேர்களில் போதுமான ஈரப்பதம் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள். பயிருக்கு மொத்தம் 9 நீர்ப்பாசனம் தேவைப்படுகிறது.
10	களை நீக்கம்/ ஊடு பயிரிடுதல்	இரண்டு கைகளால் களைகள் பறிக்கப்பட வேண்டும். நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். விதைத்த 30 மற்றும் 60 நாட்களுக்குப் பிறகு மண்ணைக் குவித்திடுங்கள்.
11	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	காய் வைக்கும் நிலையில், லிட்டருக்கு 1 கிராம் எனும் அளவில் மல்டிப்ளெக்ஸைத் தெளியுங்கள். பூ வைக்கும் நிலையில், லிட்டருக்கு 1 கிராம் எனும் அளவில் நுண் ஊட்டத்தைத் தெளியுங்கள்
12	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அடிச்சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) இலை துளைப்பான்: அபாமெக்டின் 1.8% இசி (EC) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 மிலி), சிவப்பு பூசணி வண்டு: டெல்டாமெத்ரின் 5.56% w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) இலைப்பேன்கள் / செடிப்பேன்கள் : ∴ப்ளோனிகாமிட் 50% WG (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) பியூசேரியம் வாடல் நோய்: கார்பன்டாசிம்-இல் முக்கி எடுங்கள் (லிட்டருக்கு 1 கிராம்) பழ ஈ: பெரோமோன் டிராப்களைப் பயன்படுத்துங்கள். டெல்டா மெத்ரின் லிட்டருக்கு 1 மிலி நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.
13	அறுவடை	விதைத்த 45-50 நாட்களில் பழங்கள் 1வது அறுவடைக்குத் தயாராகி விடும். பழங்களை 3-4 நாட்கள் இடைவெளியில் பறிக்க வேண்டும்.
14	ஒரு ஏக்கருக்கு கிடைக்கக்கூடிய மகசூல்	சாதகமான நிலைகளில், ஒரு நன்கு பராமரிக்கப்பட்ட பயிரில் இருந்து 5-6 டன் மகசூல் பெறலாம்.
17	சேமிப்பகம்	
18	செய்யக்கூடாதவை	சல்பர் அடிப்படையிலான வேதியியல் பொருட்களைப் பயன்படுத்தக் கூடாது.
19	செய்ய வேண்டியவை	
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.	
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகசூல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.	

ਰਿਜ ਲੈਂਕੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਰਿਜ ਗੌਰਡ ਬੀਜਾਂ ਦੀਆਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਚੁਣੀ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਰਿਜ ਗੌਰਡ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਰਿਜ ਗੌਰਡ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚ ਉੱਚ ਉਗਣ ਸਮਰੱਥਾ, ਮਜ਼ਬੂਤ ਪੌਦਿਆਂ ਦਾ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਰਿਜ ਲੌਕੀ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਸ਼ਿਵ' ਕੀਰ੍ਤਿ	ਚਿਤ੍ਰਾਂਗੀ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਮਸ੍ਰਾਨੀ' ਮੋਨਿਕਾ	ਅੰਕਿਤਾ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . Shiva_' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਸੁਨੀਤਾ								
ਮਿਆਦ	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS								
ਖ਼ਰੀਫ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ								
ਰਬੀ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ								
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ								
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ								

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤੀਬਾੜੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਸਥਾਨ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਇਹ ਗਰਮ ਮੌਸਮ ਦੀ ਫਸਲ 25-35°C 'ਤੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਉੱਗਦੀ ਹੈ, ਅਤੇ ਠੰਡ ਪ੍ਰਤੀ ਸੰਵੇਦਨਸ਼ੀਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
2	ਜ਼ਮੀਨ / ਮਿੱਟੀ	ਰੇਤਲੀ ਮਿੱਟੀ ਇਸ ਲਈ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਹੈ, ਅਤੇ ਆਦਰਸ਼ pH ਪੱਧਰ 6.5-7.5 ਹੈ
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਫਰਵਰੀ-ਮਾਰਚ, ਜੂਨ-ਜੁਲਾਈ ਅਤੇ ਨਵੰਬਰ-ਦਸੰਬਰ
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ। ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ।	~~ਬਿਜਾਈ ਲਈ 600-800 ਗ੍ਰਾਮ ਬੀਜ ਵਰਤੋ। ਸਿੱਧੀ ਬਿਜਾਈ ਲਈ, ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿਚ 1.2-1.5 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਬੀਜ ਵਰਤੋ।~~
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	10 ਟਨ ਸੜੀ ਹੋਈ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਪਾਓ ਅਤੇ ਹੱਲ ਚਲਾ ਕੇ ਇਸਨੂੰ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾਓ। * ਬੀਜ ਬੀਜਣ ਲਈ ਚੈਨਲ ਬਣਾਓ * ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਚੈਨਲਾਂ ਵਿੱਚ ਖਾਦ ਨੂੰ ਮੁੱਢਲੀ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ ਪਾਓ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਨਾਲ ਢੱਕ ਦਿਓ। * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਦੋ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। * ਪ੍ਰਤੀ ਟਿੱਲਾ ਦੋ ਬੀਜ ਬੀਜੋ, ਜਲਦੀ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਪੁੰਗਰਣ ਲਈ ਤੁਰੰਤ ਹਲਕੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਕਤਾਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ 2 ਮੀਟਰ ਅਤੇ ਪੌਦਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ 45-60 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਦੂਰੀ ਰੱਖੋ।
7	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਬੀਜ ਉਪਚਾਰ: ਇਮੀਡਾਕਲੋਪ੍ਰਿਡ 2 ਮਿ.ਲੀ./ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਅਤੇ ਥਾਇਰਮ 0.2%
8	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	* ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਫਸਲ ਸਥਾਪਨਾ ਪੜਾਅ: 30:30:30 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ NPK * ਪਹਿਲੀ ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 20-30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ: 15 ਕਿਲੋ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ (ਸ਼ਾਖਾਵਾਂ ਦੀ ਅਵਸਥਾ) * ਪਹਿਲੀ ਤੁੜਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੂਜੀ ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ 45-60 DAS: 15 ਕਿਲੋ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ ਕੁੱਲ 60:30:30 ਕਿਲੋ NPK/ਏਕੜ
9	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। ਗਰਮੀਆਂ ਦੇ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ, 6-7 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਨਿਯਮਤ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ ਅਤੇ ਫੁੱਲ ਅਤੇ ਫਲ ਲੱਗਣ ਦੌਰਾਨ ਜੜ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਲੋੜੀਂਦੀ ਨਮੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ। ਫਸਲ ਲਈ ਕੁੱਲ 9 ਪਾਣੀਆਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
10	ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਅਤੇ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ	ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਘਾਹ ਕੱਢਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉੱਗਣ ਦਿਓ। 30 ਅਤੇ 60 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਮਿੱਟੀ ਭਰ ਦਿਓ।
11	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਫਲ ਬਣਨ ਸਮੇਂ ਮਲਟੀਪਲੈਕਸ 1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਅਤੇ ਫੁੱਲ ਆਉਣ ਸਮੇਂ ਸੂਖਮ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤ 1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ
12	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਪਾਊਡਰੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਡਾਊਨੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਪੱਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਕੀੜਿਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਅਬਾਮੇਕਟਿਨ 1.8% EC (0.5-1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਰੈੱਡ ਪੰਪਕਿਨ ਬੀਟਲ ਲਈ: ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56 % w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਥ੍ਰਿਪਸ/ਏਫਿਡ ਲਈ: ਫਲੋਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਫਿਊਜ਼ੇਰੀਅਮ ਵਿਲਟ ਰੋਗ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ, ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕਾਰਬੈਂਡਾਜ਼ਿਮ (1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਨਾਲ ਕਰੋ ਫਲਾਂ ਦੀ ਮੱਖੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਫੇਰੋਮੋਨ ਜਾਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ। 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਡੈਲਟਾਮੇਥ੍ਰੀਨ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।
13	ਵਾਢੀ	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 45-50 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਕਟਾਈ ਪਹਿਲਾਇਹ ਵਾਢੀ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ। ਫਲ 3-4 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਤੋੜਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।
14	ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਆਦਰਸ਼ ਪ੍ਰਬੰਧਿਤ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੰਭਾਲੇ ਖੇਤਾਂ ਵਿੱਚ ਇਹ ਫ਼ਸਲ ਔਸਤਨ 5-6 ਟਨ/ਏਕੜ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ।
17	ਸਟੋਰੇਜ	
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਸਲਫਰ-ਅਧਾਰਤ ਰਸਾਇਣਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਾ ਕਰੋ।
19	ਕੀ ਕਰੋ	
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।	

ঝিঙে- চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট ঝিঙের বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের ঝিঙে বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের ঝিঙে বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে। অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

ইব্রিড ঝিঙে	হাইব্রিড. শিভ, কীর্তি	চিত্রাংগী	হাইব্রিড. মস্তানী, মোনিকা	অংকিতা , হাইব্রিড. শিব_, হাইব্রিড. সুনীতা								
সময়সীমা	0-100 DA	0-100 DA	0-100 DA	0-100 DAS								
খরিফ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ								
রবি	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ								
বসন্ত	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ								
সেচের উৎ	মাঠ	মাঠ	মাঠ	মাঠ								

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ
1	এলাকার উপযোগিতা/কৃষি-জলবায়ু জোন	এটি একটি গ্রীষ্মকালীন ফসল এবং 25-35 C তাপমাত্রার মধ্যে ভালোভাবে বিকাশ হয়। এটি কম তাপমাত্রার প্রতি সংবেদনশীল,
2	জমি / মাটি	বালুকাময় মাটি সবচেয়ে উপযোগী, 6.5-7.5 pH আদর্শ।
3	ঋতু। বপন/রোপণের সময়	ফেব্রুয়ারি-মার্চ, জুন-জুলাই এবং নভেম্বর-ডিসেম্বর
4	বীজের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি।	600-800গ্রাম বীজ প্রতিস্থাপণ করা। সরাসরি বপনের জন্য হাইব্রিডের জন্য 1.2-1.5 কেজি/একর
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাটি প্রস্তুতির জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগ করুন এবং তারপরে হ্যারো ব্যবহার করে মাটির সঙ্গে ভালোভাবে মিশিয়ে দিন। * বীজ বপনের জন্য নালা তৈরি করা * বীজ বপনের নালায় বেসাল ডোজ প্রয়োগ করুন এবং সার ঢেকে দিন * বীজ বপনের দুই দিন আগে মাঠে জল দিন। * প্রতি গর্তে দুইটি বীজ লাগান, তৎক্ষণাৎ দ্রুত এবং ভালো অঙ্কুরোদগমের জন্য হালকা সেচ করুন
6	ফাঁক	সারি থেকে সারি 2মিটার, উদ্ভিদের মাঝে 45-60 সেন্টিমিটার
7	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজকে ইমিডাক্লোপ্রিড 2 মিলিলিটার/কেজি এবং বাভিস্টিন 0.2% দিয়ে প্রক্রিয়াজাত করা যেতে পারে
8	জৈব এবং রাসায়নিক সার	* বেসাল ডোজ এবং ফসল স্থাপন পর্যায়: 30:30:30 কেজি NPK * বপনের 20- 30 দিন পর প্রথম শীর্ষ ড্রেসিং: 15কেজি N (ব্রাঞ্চিং পর্যায়) * 45-60 DAS তে প্রথম তোলার পর দ্বিতীয় শীর্ষ ড্রেসিং: 15 কেজি N মোট 60:30:30 কেজি NPK/একর
9	সেচের সময়সূচী	মাটির ধরন অনুযায়ী ক্ষেতে সেচ করুন। গ্রীষ্মকালে হালকা এবং ঘন ঘন সেচ, প্রতি 6-7 দিনের অন্তর একবার বিশেষ করে ফুল ফলের সময় মূল জোনে পর্যাপ্ত আর্দ্রতা নিশ্চিত করতে হবে। মোট 9 বার সেচের প্রয়োজন
10	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	দুই হাত দিয়ে আগাছা নিবারণ করা প্রয়োজন। প্লটগুলি আগাছামুক্ত রাখুন। বপনের 30 এবং 60 দিন পর মাটি তুলুন।
11	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	ফল ধরার সময় মাল্টিপ্লেক্স 1 গ্রাম/লিটার ছিটান ফুল ফোটার সময় মাইক্রোনিউট্রিয়েন্ট 1 গ্রাম/লিটার ছিটান
12	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	পাউডারি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) লিফ মাইনার: আবামেক্টিন 1.8% EC (0.5 থেকে 1 মিলিলিটার/লিটার), লাল কুমড়োর পোকা: ডেল্টামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) থ্রিপস /এফিডস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) ফিউজেরিয়াম উইল্ট: কারবেনডাজিম দিয়ে ড্রেঞ্চ করুন (1গ্রাম/লিটার) ফলের মাছি: ফেরোমোন ট্র্যাপ ব্যবহার করুন। ডেল্টা মেথ্রিন 1মিলিলিটার/লিটার ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারদের সঙ্গে পরামর্শ করুন।
13	ফসল কাটা	বপনের 45-50 দিন পর 1ম ফসল কাটার জন্য ফলগুলি প্রস্তুত। প্রতি 3-4 দিনে একবার তোলা উচিৎ।
14	প্রতি একরে প্রত্যাশিত ফলন	যথাযথ ব্যবস্থাপনার সঙ্গে আদর্শ পরিস্থিতিতে ফসল থেকে 5-6 t/একর ফলন পাওয়া যায়।
17	সংরক্ষণ	
18	করবেন না	সালফার ভিত্তিক রাসায়নিক ব্যবহার করবেন না।
19	করবেন	
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।	

ଜହ୍ନି-ଉନ୍ନତ କୃଷି ପ୍ରଣାଳୀ

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ ପରିବାରରୁ ସବୁଠାରୁ ଭଲ ଜହ୍ନି ମଞ୍ଜି ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ଉଚ୍ଚମାନର ଜହ୍ନି ମଞ୍ଜି ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ରହିଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୂତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ବ୍ୟବହାର କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଜହ୍ନି ମଞ୍ଜି ଜୈବ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରୋଦ୍‌ଗମ ଏବଂ ଉନ୍ନତ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ। ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋତ୍ତମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

ଜହ୍ନି ହାଇବ୍ରିଡ୍	Hyb. ଶିବ, କାର୍ତ୍ତି	ଚିତ୍ରାଙ୍ଗୀ	Hyb. ମସ୍ତାନି, ମୋନିକା	ଅଙ୍କିତା, Hyb. ଶିବ୍, Hyb. ସୁନିତା								
ଅବ୍ୟ	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS								
ଖରିଫ	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ								
ରବି	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ								
ବସନ୍ତ	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ								
ଜଳସେଚନର ଉତ୍ସ	ଭୂମି	ଭୂମି	ଭୂମି	ଭୂମି								

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	ଏହା ଏକ ଉଷ୍ମ ଋତୁ ଫସଲ ଏବଂ 25-35 ଡିଗ୍ରୀ ତାପମାତ୍ରାରେ ଭଲ ଭାବରେ ବଢ଼ିଥାଏ। ଏହା ନିମ୍ନ ତାପମାତ୍ରା ପ୍ରତି ସମ୍ବେଦନଶୀଳ
2	ଭୂମି / ମାଟି	ବାଲିଆ ମାଟି ସବୁଠାରୁ ଉପଯୁକ୍ତ, 6.5-7.5 ପିଏଚ ଉପଯୁକ୍ତ
3	ଋତୁ ବୁଣିବା/ରୋପଣ ସମୟ	ଫେବୃଆରୀ-ମାର୍ଚ୍ଚ, ଜୁନ୍-ଜୁଲାଇ ଏବଂ ନଭେମ୍ବର-ଡିସେମ୍ବର
4	ବିହନ ହାର ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	600-800 ଗ୍ରାମ୍ ମଞ୍ଜି ପ୍ରତିରୋପଣ ସିଧାସଳଖ ବୁଣିବା ପାଇଁ 1.2-1.5 କି. ଗ୍ରା./ଏକର ହାଇବ୍ରିଡ୍ ପାଇଁ
5	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	10 ଟନ୍ ପରିଯାଇଥିବା ଏଫ. ୟାଇ. ଏମ.(FYM) ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ତା'ପରେ ମାଟିରେ ମିଶ୍ରଣ ପାଇଁ ହଳ କରନ୍ତୁ। * ବିହନ କେନାଲ ତିଆରି କରନ୍ତୁ * ବିହନ କେନାଲରେ ସାରର ମୂଳ ମାତ୍ରା ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ସାର ଘୋଡାଇ ଦିଅନ୍ତୁ। * ବୁଣିବାର ଦୁଇ ଦିନ ପୂର୍ବରୁ କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। * ପ୍ରତି ପାହାଡ଼ରେ ଦୁଇଟି ବିହନ ବୁଣନ୍ତୁ, ଶୀଘ୍ର ଏବଂ ଭଲ ଅଙ୍କୁର ପାଇଁ ତୁରନ୍ତ ହାଲୁକା ଜଳସେଚନ ଦିଅନ୍ତୁ।
6	ବ୍ୟବଧାନ	ଗଛଗୁଡ଼ିକ ମଧ୍ୟରେ 45-60 ସେ. ମି., ଧାଡ଼ି ରୁ ଧାଡ଼ି 2 ମି.
7	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	ବାଜକୁ ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ 2 ମିଲି/କେଜି ଏବଂ ବାଭିଷ୍ଟିନ୍ 0.2% ସହିତ ଚିକିତ୍ସା କରାଯାଇପାରେ
8	ଖତ ଏବଂ ସାର	* ବେସାଲ ଡୋଜ ଏବଂ ଫସଲ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ପର୍ଯ୍ୟାୟ: 30:30:30 କିଗ୍ରା ଏନ.ପି.କେ (NPK) * ପ୍ରଥମ ଉପର ଡ୍ରେସିଂ ବୁଣିବା ପରେ 20-30 ଦିନ ପରେ: 15 କିଗ୍ରା ଏନ୍ [ନାଇଟ୍ରୋଜେନ (N)] (ଶାଖା ପର୍ଯ୍ୟାୟ) * ପ୍ରଥମ ଚୟନ ପରେ ଦ୍ୱିତୀୟ ଶୀର୍ଷ ଡ୍ରେସିଂ ବୁଣିବା ପରେ 45-60 ଦିନ ପରେ: 15 କିଗ୍ରା N * ସମୁଦାୟ 60:30:30 କିଗ୍ରା NPK/ଏକର
9	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ମାଟିର ପ୍ରକାର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। ଗ୍ରୀଷ୍ମ ଋତୁରେ 6-7 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ ଥରେ ହାଲୁକା ଏବଂ ବାରମ୍ବାର ଜଳସେଚନ ବିଶେଷ କରି ଫୁଲ ଫୁଟେଇବା ସମୟରେ ମୂଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଆର୍ଦ୍ରତା ସୁନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ। ମୋଟ ୨ ଟି ଜଳସେଚନ ଆବଶ୍ୟକ।
10	ଘାସ ବାଛିବା/ଆନ୍ତଃ-ଚାଷ	୨ ଥର ଜମିରୁ ହାତରେ ଘାସ କାଢ଼ନ୍ତୁ। ଜମିକୁ ଘାସ ମୁକ୍ତ ରଖନ୍ତୁ। ବୁଣିବାର 30 ଏବଂ 60 ଦିନ ପରେ ଗଛର ଚାରିପାଖ ମାଟି ଚଢ଼ାନ୍ତୁ।
11	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ଫଳ ଦେବା ଅବସ୍ଥାରେ ମଲ୍ଟିପ୍ଲେକ୍ସ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର, ଫୁଲ ଫୁଟିବା ସମୟରେ ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ
12	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	ପାଉଡର ମିଲଡିଉ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିଷ୍ଟ୍ରୋବିନ 25% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (ପ୍ରତି ଲିଟର 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ଡାଉନି ମିଲଡ୍ୟୁ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ ୫୦% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିଷ୍ଟ୍ରୋବିନ ୨୫% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (ପ୍ରତି ଲିଟର ୦.୫ ରୁ ୧ ଗ୍ରାମ) ପତ୍ର ଖନନକାରୀ: ଆବାମେକ୍ଟିନ୍ ୧.୮% ଇସି (EC) (୦.୫ ରୁ ୧ ମିଲି/ଲିଟର), ଲାଲ କଖାରୁ ପୋକ: ଡେଲଟାମେଥ୍ରିନ୍ 5.56% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ (w/w) ଏସସି(SC) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ଥ୍ରିପ୍ସ / ଏଫଡ୍ସ: ଫ୍ଲୋନିକାମିଡ୍ 50% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଫୁସାରିଅମ୍ ୱିଲ୍ଟ (ଝାଉଳା ରୋଗ): କାର୍ବେଣ୍ଡାଜିମ୍ (1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ସହିତ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ ଫଳ ମାଛି: ଫେରୋମୋନ୍ ଫାଶ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ। ଡେଲ୍ଟା ମିଥ୍ରନ୍ 1 ମିଲି/ଲିଟର କ୍ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।
13	ଅମଳ	ବୁଣିବାର ୪୫-୫୦ ଦିନ ପରେ ଫଳ ପ୍ରଥମ ତୋଳା ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଥାଏ। ଏହା ପ୍ରତି 3-4 ଦିନରେ ଥରେ କରିବା ଉଚିତ।
14	ପ୍ରତି ଏକର ଆଶାକୃତ ଅମଳ	ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଭଲ ଭାବରେ ପରିଚାଳିତ ଫସଲରେ 5-6 ଟନ୍/ଏକର ଉତ୍ପାଦନ କରେ
17	ସଂରକ୍ଷଣ	
18	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	ସଲଫର ଆଧାରିତ ରାସାୟନିକ ପଦାର୍ଥ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ।
19	କରନ୍ତୁ	
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

জিকা- অনুশীলনৰ পেকেজ					
অভিনন্দন! আপুনি ক্রিষ্টেল পৰিয়ালৰ এটা উৎকৃষ্ট জিকাৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ জিকা বীজ উৎপাদনত ক্রিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্রিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্রিষ্টেলে শেহতীয়া প্রযুক্তি গ্রহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্রিষ্টেলৰ জিকাৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্রতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অঙ্কুৰিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্রদান কৰে। অনুগ্রহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামর্শসমূহ প্রদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামর্শসমূহ পঢ়ক।					
হাইব্রিড জিকা	**হাইব্রিড. শিভ, কীর্তি**	**চিত্রাংগী**	**হাইব্রিড. মন্তানী, মোনিকা**	**অংকিতা, হাইব্রিড. শিৱা_, হাইব্রিড. সুনীতা**	
সময়কাল	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS	90-100 DAS	
খাৰিফ	হয়	হয়	হয়	হয়	
ৰাবি	হয়	হয়	হয়	হয়	
বসন্ত	হয়	হয়	হয়	হয়	
জলসিঞ্চন	ভূমি	ভূমি	ভূমি	ভূমি	
অনুগ্রহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।					

ক্রমিক নম্বৰ	**সবিশেষ/কার্য্য/অনুশীলন**	**কার্যৰ বিৱৰণ, প্রতি একৰ ইনপুট**
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	ই গৰম ঋতুৰ শস্য আৰু 25-35 ডিগ্রী চেলছিয়াছৰ তাপমাত্রাত ভালদৰে বৃদ্ধি পায়। ইয়াৰ কম তাপমাত্রাৰ প্রতি সংবেদনশীল,
2	ভূমি / মাটি	বালি মাটি আটাইতকৈ উপযুক্ত, 6.5-7.5 pH আদর্শ
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময়	ফেব্রুৱাৰী-মার্চ, জুন-জুলাই আৰু নৱেম্বৰ-ডিচেম্বৰ
4	বীজৰ হাৰ। বীজ সিঁচা/পলোৱা পদ্ধতি	600-800গ্রাম বীজ ৰোপণ কৰা। পোনপটীয়াকৈ ৰোপণৰ বাবে হাইব্রিডৰ বাবে 1.2-1.5 কেজি/একৰ
5	মূল পথাৰৰ প্রস্তুতি আৰু ৰোপণ	10 টন বিঘ্নিত FYM প্রয়োগ কৰক তাৰ পিছত মাটিত মিশ্রিত কৰিবলৈ হৰুহিং কৰক। * বীজ সিঁচাৰ পথ তৈয়াৰ কৰক * বীজ সিঁচাৰ পথাৰত মৌলিক পৰিমাণৰ সাৰ প্রয়োগ কৰক আৰু সাৰক ঢাকি ৰাখক * বীজ সিঁচাৰ দুদিন আগতে পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। * প্রতিডাল বীজত দুটাকৈ ডাবল দিয়ক, দ্রুত আৰু ভাল বীজানুৰ বাবে তৎক্ষণাৎ হালধীয়া জলসিঞ্চন দিয়ক
6	ব্যৱধান	শাৰীৰ পৰা শাৰীলৈ 2মিটাৰ, গছৰ মাজত 45-60 ছেঃমিঃ
7	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজত ইমিডাক্লৰ'প্রিড2 মিলি/কেজি আৰু বাভিষ্টিন 0.2% ৰ দ্বাৰা শোধন কৰিব পাৰি।
8	সাৰ আৰু সাৰুৱা পদার্থ	* প্রাথমিক মাত্রা আৰু শস্য প্রতিষ্ঠাৰ পর্যায় : 30:30:30 কেজি NPK * বীজ সিঁচাৰ 20-30 দিনৰ পিছত প্রথম শীর্ষ কাপোৰ পিন্ধা: 15 কেজি N (বিভাগীয় পর্যায়) * প্রথম পিকৰ পিছত দ্বিতীয় টোপ ড্রেছিং 45-60 DAS: 15 কেজি N মুঠ 60:30:30 কেজি NPK/একৰ
9	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	মাটিৰ প্রকাৰৰ ওপৰত নির্ভৰ কৰি পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। গ্রীষ্মকালত 6-7 দিনৰ ব্যৱধানত এবাৰ হালধীয়া আৰু সঘনাই জলসিঞ্চন কৰক, বিশেষকৈ ফুল ফুলাৰ সময়ত মূল অঞ্চলত পর্যাপ্ত আর্দ্রতা নিশ্চিত কৰক। মুঠ 9 টা জলসিঞ্চনৰ প্রয়োজন
10	ঘাঁহ কাটি/আন্তঃ-সংস্কৃতি	দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। খেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক। বীজ সিঁচাৰ পিছত 30 আৰু 60 দিনত মাটি লগোৱা।
11	ক্ষুদ্র পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্রক স্প্রে	ফল ধৰাৰ সময়ত মাল্টিপ্লেক্স 1গ্রাম/লিটাৰ স্প্রে' কৰিব লাগে মাইক্র'নিউট্রিয়েণ্ট 1গ্রাম/লিটাৰ ফুল ফুলাৰ সময়ত
12	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্রণ	পাউডাৰী মিল্ডিউ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্রাইফ্লক্সিষ্ট্রবিন 25% WG (প্রতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্রাম) ডাউনি মিল্ডিউ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্রাইফ্লক্সিষ্ট্রবিন 25% WG (প্রতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্রাম) পাতৰ খনিজ: এবামেক্টিন 1.8% EC(0.5ৰ পৰা 1 মিলি/লিটাৰ), ৰঙা কুমলীয়া ভেকুলী: ডেলটামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) থ্রিপছ /এফিড : ফ্লুনিকমিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটাৰ) ফুচেৰিয়াম উইল্ট: কার্বেণ্ডাজিমৰ সৈতে ড্রেঞ্চ কৰক (1গ্রাম/লিটাৰ) ফলৰ মাখি: ফেৰ'মন ফান্দ ব্যৱহাৰ কৰক। ডেল্টা মিথ্রিন 1 মিলি/লিটাৰ পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্রণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্রহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
13	শস্য চপোৱা	বীজ সিঁচাৰ 45-50 দিনৰ পিছত 1ম চপোৱাৰ বাবে ফল সাজু হয়। 3-4 দিনৰ মূৰে মূৰে ছিণ্ডিব লাগে।
14	একৰ প্রতি প্রত্যাশিত ফলন	আদর্শ পৰিস্থিতিত ভালদৰে পৰিচালিত শস্যত 5-6 টন/বিঘা উৎপাদন হয়।
17	সংৰক্ষণ	
18	নকৰিবা	সুৰাৰ ভিত্তিত ৰাসায়নিক দ্রব্য ব্যৱহাৰ নকৰিব।
19	কৰিবা	
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামর্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পর্কিত বিশেষ পৰামর্শৰ বাবে, অনুগ্রহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্রভাৰিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামর্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্রয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	